

राजस्थान सरकार

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर मुण्डावर (अलवर)

पीठासीन अधिकारी – महेश चन्द्र मान (आर0ए0एस0)

प्रार्थना पत्र सं०

रजू दिनांक

निर्णय दिनांक

29/2017

09.03.2017

20.04.2018

अनुवान

1. हरिप्रसाद
2. अनिल
3. अशोक पुत्रान श्री राधेश्याम जाति खाती निवासी मानका तह0 मुण्डावर जिला अलवर राज0।

:-प्रार्थीगण

बनाम

1. राधेश्याम पुत्र श्री उमराव जाति खाती निवासी मानका तह0 मुण्डावर जिला अलवर राज0।
2. श्रीमान तहसीलदार महोदय, मुण्डावर।
3. श्रीमान उप पंजीयक महोदय, मुण्डावर।

:-अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र:-धारा 212 राज0 काश्त0 अधिनियम

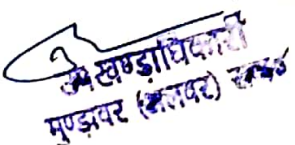
उपस्थिति

- 1 श्री सरजीत कुमार वकील- प्रार्थीगण
- 2 सत्यवीर सिंह चौहान वकील- अप्रार्थी

निर्णय

दिनांक 20.04.2018

आज ये पत्रावली वास्ते सुनाये जाने निर्णय पेश हुई वकील उभयपक्षकारान उपस्थित आये प्रार्थीगण के प्रार्थना पत्र का सारतः रहा कि आराजी खसरा न0 807/0.54, 808/0.63, 872/0.13, 885/0.25, 890/0.08, 892/0.25, 893/0.15, 894/0.30, 900/0.25, 901/0.48, 902/0.39, 903/0.32, 904/0.32, 905/0.37, 906/0.23, 907/0.52 है0


मुण्डावर (अलवर) राज0

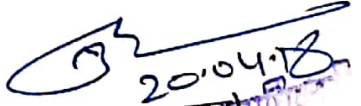
वकील उभयपक्षकारान की ध्यानपूर्वक बहस सुनी गई एवं पत्रावली का ध्यानता से मनन करने के उपरान्त अप्रार्थी द्वारा विवादित आराजी जरिये वसीयत प्राप्त होने वाले बिन्दु अनुसार वसीयतनामा दिनांक 22.07.92 जो पिता उमराव द्वारा अपने ही पुत्र राधेश्याम के ही हक में वसीयत किया गया है के अनुसार भी विवादित आराजी स्पष्ट रूप से दादालायी आराजी शाबित होती है।

इस प्रकार से विवादित आराजी दादालायी आराजी होने की स्थिति में प्रथम दृष्टीया का बिन्दु अप्रार्थी सं० 1 के विरुद्ध होकर प्रार्थीगण के हक में शाबित पाया जाता है और जब प्रथम दृष्टीया का बिन्दु प्रार्थीगण के हक में शाबित पाये जाने की स्थिति में सुविधा का संतुलन वाला बिन्दु भी प्रार्थीगण के हक में ही स्पष्ट रूप से शाबित पाया जाता है। इस प्रकार प्रथम दृष्टीया का बिन्दु एवं सुविधा का संतुलन दोनों ही बिन्दु प्रार्थीगण के हक में शाबित पाये जाने की स्थिति में नापूर्ति होने वाली क्षति भी अप्रार्थी सं० 1 को ना होकर प्रार्थीगण को ही होना शाबित पायी जाती है। उपरोक्त विवेचन के आधार पर यह न्यायालय प्रार्थीगण के प्रार्थना पत्र को स्वीकार योग्य पाता है।

—:आदेश:—

अतः यह न्यायालय प्रार्थीगण के प्रार्थना पत्र को स्वीकार योग्य पाये जाने की स्थिति में आराजी खसरा न० 807/0.54, 808/0.63, 872/0.13, 885/0.25, 890/0.08, 892/0.25, 893/0.15, 894/0.30, 900/0.25, 901/0.48, 902/0.39, 903/0.32, 904/0.32, 905/0.37, 906/0.23, 907/0.52 है० वाके ग्राम मानका तह० मुण्डावर जिला अलवर के बाबत अप्रार्थी सं० 1 को पाबन्द किया जाता है कि वह मूलवाद के निर्णय तक प्रार्थीगण के कब्जे काश्त हिस्से आराजी में मजहामत पैदा ना करे नाहि उक्त विवादित आराजी को कही रहन, बैय आदि प्रकार से मुन्तकिल ही करे रिकार्ड की यथास्थिति मूलवाद के निर्णय तक यथावत बनायी रखे, पाबन्द रहे।

आज दिनांक 20.04.2018 को यह निर्णय मेरे द्वारा लिखाया जाकर बाद हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय सुनाया गया।


(महेश चन्द्र मान)
उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलक्टर
मुण्डावर (अलवर)